राजा रघुवंशी हत्याकांड : शिलांग कोर्ट में शुरू हुई गवाही

- भाई विपिन के हुए बयान, दो दिन और होंगे

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजा रघुवंशी हत्याकांड की सुनवाई शिलांग कोर्ट में तेजी से आगे बढ़ रही है. मामले के महत्वपूर्ण गवाह और मृतक के भाई विपिन रघुवंशी बुधवार को दूसरी बार अदालत पहुंचे, जहां करीब दो घंटे तक उनकी जिरह चली. अदालत ने उन्हें लगातार तीन दिनों तक पेश रहने के लिए तलब किया है. अब बयान के अंतिम चरण पूरे होने के बाद चार्जशीट पेश करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी.

विपिन मंगलवार दोपहर इंदौर से शिलांग पहुंचे थे. इससे पहले 11 नवंबर को भी उनके बयान दर्ज हुए थे, लेकिन अधूरे रहने के कारण उन्हें पुन: कोर्ट में उपस्थित होना पड़ा. बुधवार की कार्यवाही में उनसे घटना से पहले और बाद की स्थितियों पर कई प्राथमिक सवाल पूछे गए. मृतक राजा शिलांग कैसे आया, शादी के दौरान सोनम को देखने कौन गया था, मर्डर के बाद एफआईआर किसने दर्ज करवाई और शुरूआती जानकारी किसके पास थी. विपिन का कहना है कि ये वही तथ्य हैं, जो पूर्व में मीडिया के सामने भी वे रख चुके हैं. अदालत ने गुरुवार और शुक्रवार को भी उनकी उपस्थिति अनिवार्य की है. सूत्रों ने बताया कि विपिन शिलांग में अकेले ही गवाही दे रहे हैं और प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं रुकेंगे. उनका कहना है कि बयान की श्रृंखला पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय से चार्जशीट की प्रति मिलने की संभावना है.

सोनम को नहीं हत्या का मलाल, हंस रहे थे आरोपी

ट्रायल के दौरान वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए सोनम, राज सहित अन्य आरोपी भी कोर्ट में चली कार्यवाही से जुड़े। विपिन ने बताया कि उन्होंने भी आरोपियों को देखा, लेकिन उनके चेहरे पर हत्या का कोई मलाल नहीं था। आरोपी दो-तीन मर्तबा मुस्कुराते हुए भी नजर आए। विपिन ने बताया कि सभी आरोपियों ने नए गर्म कपड़े भी पहने हुए थे। जज ने सोनम से उसकी तबीयत के बारे में पूछा तो उसने जवाब दिया कि तबीयत ठीक है।

एसआईआर निरस्त करने के लिए हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

- चुनाव आयोग की दलील को कोर्ट ने खारिज किया
- कहा- चुनाव और एसआईआर की प्रक्रिया अलग-अलग

नव भारत न्यूज

इंदौर. मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को निरस्त करने के लिए दायर याचिका पर बुधवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. युगलपीठ ने निर्वाचन आयोग, इंदौर कलेक्टर और सभी एसडीएम को नोटिस जारी करते हुए छह सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया.

याचिकाकर्ता दिलीप कौशल द्वारा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया गया है कि इंदौर की मतदाता सूची में हजारों मतदाताओं का पता जीरो अंकित किया है, अपात्र बीएलओ को कार्य सौंपा गया और 1200 की संख्या से कम होने पर 1761 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. कौशल के अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने कहा कि यह मध्यप्रदेश नगर पालिका निर्वाचन नियम 1994 और नगर पालिका निगम अधिनियम 1960 के प्रावधानों के विपरीत है. इस पर निर्वाचन आयोग ने जवाब में कहा कि एसआईआर और मतदाता सूची का प्रकाशन चुनाव का ही हिस्सा है और इसे चुनाव से जोड़ा जाना चाहिए. इस पर हाईकोर्ट की युगलपीठ ने यह कहते हुए आयोग की दलील को खारिज किया कि वर्तमान में चुनाव नहीं चल रहे हैं, लेकिन एसआईआर की प्रक्रिया जारी है, इसलिए इसे सीधे चुनाव से नहीं जोड़ा जा सकता. जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस बिंदु कुमार द्विवेदी की युगलपीठ ने इस मामले में सभी पक्षों से छह सप्ताह में विस्तृत जवाब मांगा है.

द्वारकापुरी में गैंग का आतंक कायम, एक लाख की मांगी फिरौती

- जेल से छूटे बदमाश ने युवक को अगवा कर पीटा

नव भारत न्यूज

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में अपराधियों का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है. मंगलवार रात जेल से रिहा हुआ कुख्यात बदमाश नारू उर्फ नारायण फिर सक्रिय हो गया और अपने साथियों के साथ मिलकर एक युवक को अगवा कर घंटों तक बंधक बनाकर मारपीट की. आरोपियों ने युवक से एक लाख रुपए की मांग भी की. पीड़ित किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचा और बुधवार सुबह थाने पहुंचा, लेकिन दिनभर बैठाए रखने के बाद भी पुलिस ने एफआईआर की प्रति उसे नहीं दी.

पुराना हत्याकांड फिर चर्चा में...

नारू का नाम द्वारकापुरी में हुए चर्चित चिंटू उर्फ भूपेंद्र वर्मा हत्याकांड में भी आ चुका है. युवती से संबंधों की शंका में नारू और उसके साथियों ने युवा की बेरहमी से हत्या की थी. आरोपियों ने पहले लाठियों और लोहे की रॉड से पीटकर हत्या की, फिर शव को ड्रम में जलाकर उसकी राख नर्मदा नदी में बहा दी थी. उस मामले में नारू के साथी कृष्णकांत वाघमरे और अन्नू गिरफ्तार हुए थे, जिन्होंने पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया था. द्वारकापुरी में लगातार बढ़ रहे अपराधों पर लोगों में नाराजगी है, जबकि कुख्यात बदमाशों की दोबारा सक्रियता ने सुरक्षा सवालों को और गंभीर कर दिया है.

इंडियन स्कूल के पास रहने वाला अमित जोशी डीजे साउंड का काम करता है. मंगलवार को नारू ने अपने साथियों चीनू काला और कृष्णकांत के साथ उसे पार्टी के बहाने जामगेट बुलाया था, वहां तीनों ने उसे बंधक बनाकर करीब तीन घंटे तक पिटाई की और रकम की मांग की. बाद में छोडने का नाटक कर अमित को रास्ते में फिर रोका और दोबारा हमला किया.

घायल अमित रात में घर पहुंचा और परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया. परिजन बुधवार सुबह अमित को लेकर थाने पहुंचे. चूंकि मामले में नारू का नाम आया था, इसलिए थाना प्रभारी मनीष मिश्रा के आने तक परिजन इंतजार करते रहे. दोपहर बाद अमित को मेडिकल के लिए भेज दिया और शाम को पुलिस ने कंप्यूटर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली. सूत्रों का कहना है कि नारायण उर्फ नारू हत्या के मामले में साढ़े डेढ़ साल जेल में रहने के बाद छूटा है. कुछ समय पहले मारपीट के एक मामले में उसे पकडने गई पुलिस पर उसने हमला कर दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था.

पुलिस कमिश्नर का औचक निरीक्षण : फील्ड में अधिक सक्रिय रहने के निर्देश

- द्वारिकापुरी थाने में ली व्यवस्था संबंधी विस्तृत जानकारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर बुधवार को अचानक द्वारिकापुरी थाने पहुंचे. बिना पूर्व सूचना के किए गए इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूरी थाने की व्यवस्था, स्टाफ की उपस्थिति और लंबित प्रकरणों की स्थिति का विस्तार से आकलन किया.

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने रिकॉर्ड रख-रखाव, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, आवेदकों की सुनवाई और कर्मचारियों की

कार्यशैली की बारीकी से जांच की. उन्होंने पाया कि कई जगह फील्ड की सक्रियता को और बढ़ाने की जरूरत है. कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र के कुख्यात और सक्रिय बदमाशों पर लगातार दबाव बनाया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस की मौजूदगी और सक्रियता अपराध नियंत्रण की सबसे मजबूत कड़ी है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का फील्ड में नियमित रूप से रहना अनिवार्य है. नाके, पेट्रोलिंग और चेकिंग को गंभीरता और निरंतरता के साथ किया जाए, ताकि क्षेत्र में पुलिस की प्रभावी उपस्थिति बनी रहे. उन्होंने यह भी कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. थाने में लंबित मामलों की समयबद्ध समीक्षा कर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए.

एक नजर में

महिला ने पति के खिलाफ दर्ज कराई गंभीर शिकायत

इंदौर. पलासिया क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति प्रवीण शर्मा के खिलाफ लगातार उत्पीडऩ और मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है. सुरक्षा की दृष्टि से इंदौर पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण राजस्थान पुलिस को भेज दिया है, क्योंकि आरोपी वहीं निवास करता है. पलासिया थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने शिकायत में बताया कि प्रवीण शर्मा पहले कोटा की एक निजी कोचिंग में कार्यरत थे. 2009 में शादी के बाद उनकी पोस्टिंग दिल्ली, बड़ौदा और राजकोट में भी रही. कोटा में कार्यकाल के दौरान प्रवीण पर एक छात्रा द्वारा छेड़छाड़ का आरोप लगा था, जिसके चलते उन्हें नौकरी से हटा दिया गया था. इसके बाद प्रवीण तनाव में रहने लगा और बाद में सीकर की कोचिंग में पढ़ाने लगा. महिला ने आरोप लगाया कि प्रवीण लगातार उससे पैसे की मांग करता है, ताकि पुराने विवाद को शांत किया जा सके. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जुलाई 2024 में प्रवीण ने महिला के साथ मारपीट भी की थी, उस दौरान बच्चों के रोने पर मारपीट रुकी थी, लेकिन उन्होंने धमकी दी कि उनकी बात माननी होगी. मारपीट के बाद महिला करीब 10 दिन बीमार रही. परेशानी बढने पर महिला ने इंदौर में रहने वाले अपने मामा विनोद को मामले की जानकारी दी. मामा ने कार भेजकर उसे, बच्चों और उसकी भांजी को इंदौर बुला लिया, इसके बाद भी प्रवीण इंदौर आकर विवाद करता रहता है. महिला ने कहा कि राजस्थान में उसकी जान का खतरा है. इस बात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने आरोपी प्रवीण शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और मामला राजस्थान पुलिस को ट्रांसफर कर दिया.

भीम जन्मभूमि स्मारक पर मनाया संविधान दिवस

महू. देश के संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को देश के संविधान को राष्ट्रपति को सौंपा था. इसी उपलक्ष्य में पूरे देश में आज का दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसी के तहत डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर मेमोरियल सोसायटी द्वारा आज भीम जन्मभूमि पर संविधान दिवस मनाया गया. स्मारक के प्रांगण में भारतीय संविधान की मूल प्रति को डॉ. अंबेडकर के फोटो के साथ लगाया गया, जिसका दिन भर लोगों ने अवलोकन किया. उक्त जानकारी देते हुए भीम जन्मभूमि के सचिव ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में संविधानविद् डॉ. महेंद्र आनंद मौजूद थे. अध्यक्षता भीम जन्मभूमि स्मारक के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अनिल गजभिए ने की. अतिथि के रूप समाजसेवी रमेश तायड़े, विश्व बौद्ध उपासक संघ के जिला अध्यक्ष योगेन्द्र ओशो गवांदे उपस्थित थे. आयोजन की शुरूआत में अतिथियों द्वारा डॉ. बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा संविधान की मूल प्रति पर पुष्प अर्पित किए गए. आयोजन में अतिथियों के उद्बोधन के बाद संविधान की प्रस्तावना के उद्देश्य की पूर्ति का संकल्प लिया गया. भीम जन्मभूमि स्मारक के उपाध्यक्ष अनिल इंगले, कोषाध्यक्ष विनोद मेघवाल, सदस्य दिनेश सोनोने ने अतिथियों को संविधान की प्रति भेंट की. इस अवसर पर मुख्य रूप से माणिक राव तायड़े, बुद्ध किरण भिड़े, संतोष इंगले, सिद्धार्थ वकोड़े, सुमित चौहान, अमित गोगलिया, दुर्गेश राठौर, सुभाष रायपुरे आदि उपस्थित थे.

घर के बाहर गाली-गलौज कर किया हमला

इंदौर. सिंगापुर टाउनशिप क्षेत्र में बीती रात दो व्यक्तियों ने एक युवक और उसके भाई पर अचानक हमला कर दिया. विवाद के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए घर पर पथराव भी किया, जिसमें पीड़ित की मां घायल हो गई. लसूड़िया पुलिस ने मामले में कई धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है. लसूड़िया पुलिस के अनुसार, स्वामी विवेकानंद कॉलोनी नाले के पास रहने वाले अजय पवार ने शिकायत में बताया कि वह 25 नवंबर की रात करीब सवा आठ बजे काम से लौट रहे थे. उसी दौरान उनके घर के सामने संजू और राजा भंडारी खड़े थे. पीड़ित ने पुलिस को बताया कि दोनों ने उसे देखते ही गालियां देना शुरू कर दिया और आरोप लगाया कि अजय और उसका भाई उनकी शिकायत करते हैं. गाली-गलौज के बाद दोनों आरोपी अचानक मारपीट पर उतर आए और अजय पर लात-घूंसों से हमला कर दिया. शोर सुनकर अजय का भाई विजय बीच-बचाव के लिए आया, लेकिन आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की. पीड़ित ने बताया कि जब उसने पुलिस को बुलाने की बात कही, तो संजू ने धमकी दी कि वह उसका अच्छे से इलाज कर देगा और अपने अन्य साथियों को बुला लिया. इसके बाद आरोपियों ने घर की ओर पथराव शुरू कर दिया, जिससे भीतर मौजूद अजय की मां सागर बाई के सिर में पत्थर लगने से गंभीर चोट आ गई और खून बहने लगा. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. अजय पवार की शिकायत पर संजू, राजा भंडारी और उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है और घटना के कारणों की भी जांच कर रही है.

नागदा स्टेशन पर महिला यात्री से अभद्रता करने वाले दो ट्रांसजेंडर पकड़ाए

- जीआरपी ने तत्परता दिखाते हुए की कार्रवाई
- विवाद के बाद कोच में फैली दहशत पर लगा ब्रेक

नव भारत न्यूज

इंदौर. रेलवे स्टेशन नागदा पर महिला यात्री से अभद्रता, धमकाने और झूमाझटकी की घटना में जीआरपी ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दो ट्रांसजेंडर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. रेल एसपी के मार्गदर्शन में चल रही सघन चेकिंग व सतर्क निगरानी का यह बड़ा नतीजा माना जा रहा है.

डीएसपी ज्योति शर्मा ने बताया कि घटना 22 नवंबर की है, जब मनीषा कहार अपनी बेटी के साथ गोरखपुर एक्सप्रेस (19489) के जनरल कोच में रतलाम से उज्जैन जा रही थीं. नागदा स्टेशन पर दो ट्रांसजेंडर अचानक कोच में चढ़े और महिला से गाली-गलोच करते हुए झूमाझटकी की. विरोध करने पर दोनों ने जान से मारने की धमकी दी, जिससे कोच में अफरा-तफरी फैल गई. फरियादी की शिकायत मिलते ही जीआरपी चौकी नागदा ने प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों करिश्मा (ट्रांसजेंडर) उम्र 32 वर्ष, निवासी शहीद नगर, नागदा और शिवम उर्फ शिवानी (ट्रांसजेंडर) उम्र 24 वर्ष, निवासी त्रिलोकपुरी दिल्ली, हाल मुकाम चेतनपुरा, नागदा को चिह्नित कर हिरासत में ले लिया है, आरोपियों से पूछताछ की जा रही है.

इंदौर के किन्नर विवाद में नया मोड़, झूठे आरोप वापस

करिश्मा ने नंदलालपुरा गुट के खिलाफ शिकायत वापस ली

इंदौर. शहर के बहुचर्चित किन्नर विवाद में नया मोड़ आ गया है. विवादित शिकायतकर्ता करिश्मा किन्नर ने नंदलालपुरा के किन्नर समाज पर लगाए गए आरोपों को लेकर अपनी पूर्व शिकायत वापस ले ली है. करिश्मा ने स्पष्ट किया है कि नंदलालपुरा गुट से उसका कोई विवाद नहीं है. सूत्रों का कहना है कि करिश्मा ने कमिश्नर और संबंधित अधिकारियों को लिखित बयान देकर बताया कि उस पर झूठे आरोप लगाने के लिए दबाव डाला गया था. उसने आरोप लगाया कि सपना गुरु और उसके सहयोगियों ने उसे मजबूर किया, ताकि नंदलालपुरा के किन्नरों के खिलाफ बयान दिया जा सके. करिश्मा ने बताया कि यहां तक कि उसकी मां की मौत के बाद भी उस पर दबाव डाला गया. उसने यह भी कहा कि वह पिछले दो साल से एचआईवी से पीड़ित है और सपना गुरु ने इलाज की आड़ में उसे आरोप लगाने के लिए प्रेरित किया. करिश्मा ने साफ किया कि नंदलालपुरा गुट का इस मामले में कोई हाथ नहीं है और उन पर लगाए गए सभी आरोप झूठे और मनगढ़ंत थे. विजयनगर थाने में करिश्मा ने अपनी शिकायत वापस ले ली, जिससे किन्नर समाज पर लगे आरोपों को लेकर विवाद अब शांत होने की संभावना है, वहीं थाना प्रभारी चंद्रभाल सिंह का कहना है कि अभी तक उनकी पास ऐसा आवेदन लेकर कोई नहीं आया है.

पानोड़ चौराहे पर अवैध छुरा लेकर घूमते धराया

इंदौर. सांवेर पुलिस ने पानोड़ चौराहा क्षेत्र से एक युवक को बिना लाइसेंस तेज धारदार छुरा साथ रखने पर पकड़ा है. आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है.

सांवेर थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार बीती शाम पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी. इसी दौरान पानोड़ चौराहा पर एक युवक संदिग्ध हालत में घूमता दिखाई दिया. रोककर तलाशी लेने पर उसके पास लोहे का तेज धारदार छुरा मिला, जिसके लिए वह कोई अनुमति या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका. पुलिस ने युवक की पहचान ग्राम पानोड़ निवासी विकास राठौर के रूप में की. अवैध हथियार रखने के आरोप में उसे मौके से ही हिरासत में लिया. थाना सांवेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज कर लिया है.

आईएएस संतोष वर्मा के बयान पर विरोध हुआ तेज

- ब्राह्मण समाज ने राजेंद्र नगर थाने पहुंचकर की एफआईआर की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. सीनियर आईएएस संतोष वर्मा के विवादित बयान को लेकर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है. बुधवार को ब्राह्मण समाज के सदस्य बड़ी संख्या में राजेंद्र नगर थाने पहुंचे और वर्मा के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की. समाज का आरोप है कि उनका बयान न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि जातीय और धार्मिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने वाला भी है.

थाने में दिए आवेदन में कहा गया कि वर्मा ने ब्राह्मण समाज और उनकी बेटियों को लेकर ऐसा वक्तव्य दिया, जो समुदाय की भावनाएं भडक़ाता है और लैंगिक असम्मान को बढ़ावा देता है. समाज ने आरोप लगाया कि उनके शब्द जानबूझकर जातिगत विभाजन खड़ा करने वाले हैं. इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं. इसी आधार पर उनसे कार्रवाई की मांग की है. विवाद की शुरुआत उस समय हुई, जब रविवार को प्रांतीय अधिवेशन के दौरान अजाक्स के नवनिर्वाचित प्रांताध्यक्ष और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा का वीडियो सामने आया था, इसमें वे कहते दिखे, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान नहीं देता या उससे संबंध नहीं बनता, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए. बयान वायरल होते ही विरोध और तीखा हो गया.

जीआरपी ने गुमशुदा नाबालिग को परिजनों को सौंपा

- - इंदौर रेलवे स्टेशन पर भटकते हुए मिली थी बालिका

इंदौर. रेलवे स्टेशन पर सतर्कता बरतते हुए जीआरपी टीम ने भटकती मिली एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित थाना ले जाकर उसकी पहचान की पुष्टि की और जांच में उसका गुमशुदा होना सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने उसे सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया.

जीआरपी इंदौर को ऑपरेशन 'मुस्कान' के अंतर्गत एक और उपलब्धि मिली है. रेलवे स्टेशन परिसर में ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मचारियों की नजर एक घबराई हुई किशोरी पर पड़ी, जो लंबे समय से स्टेशन पर अकेले भटकते दिखाई दी. टीम ने तुरंत उसे संरक्षण में लेते हुए

थाने भेजा. थाने में महिला ऊर्जा हेल्प डेस्क पर तैनात प्रधान आरक्षक कलिस्ता लकड़ा ने किशोरी से संवेदनशील तरीके से बातचीत कर जानकारी जुटाई. उसने अपना नाम रीना (काल्पनिक) बताया और बताया कि वह जिला मैहर के एक गांव की रहने वाली है. रिकॉर्ड जांच में पुष्टि हुई कि 23 नवंबर को थाना मैहर में उसके लापता होने का मामला दर्ज है. जीआरपी इंदौर ने तुरंत मैहर पुलिस और परिजनों से संपर्क किया. सूचना मिलते ही थाना कोतवाली मैहर के पुलिसकर्मी और किशोरी के पिता इंदौर पहुंचे, जहां आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए बालिका को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया.

एक नजर में लंबी अवधि की योजना के लिए जनता के पैसे का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए

अदूरदर्शिता और अपर्याप्त योजना का एक उदाहरण बना बीआरटीएस प्रोजेक्ट

इंदौर. भविष्य की जरूरतों की अनदेखी कर विकास परियोजनाओं के नाम पर बार-बार पैसा बहाया जाता है. बीआरटीएस प्रोजेक्ट इसी तरह की अपर्याप्त योजना का एक उदाहरण माना जा सकता है. हालांकि बीआरटीएस हटने के बाद शहर की जीवन रेखा माने जाने वाला एबी मार्ग अब सुंदर और आकर्षक लग रहा है. कोई भी बड़े बुनियादी ढांचे वाली परियोजना शुरू करते समय लंबी अवधि की योजना और जनता के पैसे का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए.

कुछ वर्ष पूर्व ही करोड़ों खर्च कर निरंजनपुर चौराहा से राजीव गांधी चौराहा तक बीआरटीएस बनाया गया था, जिसके लिए शहर की जीवन रेखा माने जाने वाले एबी रोड का काफी हिस्सा लिया गया था. इससे कुछ सुविधा तो हुई, लेकिन यातायात में बड़ी बाधाएं उत्पन्न होने लगीं. अब इसे हटाने की कवायद चल रही है. बीआरटीएस की रेलिंग को हटाने का कार्य हो रहा है, वहीं आई बस स्टॉप को भी हटाया जा रहा है. नवलखा, इंदिरा चौराहा और शिवाजी प्रतिमा चौराहा पर तेजी से कार्य चल रहा है, वहीं जीपीओ चौराहा से शिवाजी प्रतिमा की ओर जाने वाले मार्ग से पूरी तरह से रेलिंग हटा दी गई है और डिवाईडर लगा दिए गए हैं.

इससे सडक़ का आकार बहुत ही बड़ा और खुला दिखाई दे रहा है. साथ ही मार्ग की खुबसूरती में निखार आ गया है. शाम चार बजे से जीपीओ सिंगनल पर लंबी कतारें लग जाती थीं, अब एक घंटे निगरानी करने पर भी यातायात सुगम दिखाई दिया. पूरी तरह से रेलिंग हटने पर जो सुविधा होगी, वह तो ठीक है, लेकिन देखना होगा कि अब आगे नगर निगम के जिम्मेदार जनता का पैसा बर्बाद करने के लिए कमरे में बैठकर योजना बनाते हैं या भविष्य को देखकर विकास और उन्नति की ओर बढ़ेंगे.

यह बोले नागरिक...

यातायात की समस्या है तो अब बीआरटीएस को कॉमन वे कर देना चाहिए हालांकि, यह निर्णय हो चुका है, फिर भी कई बार उससें गुजरने वाले वाहनों से यातायात पुलिस द्वारा चालान बनाकर जबरन वसूली की जाती है, जो गलत है.

-अजय शर्मा

जनसंख्या के साथ ही सडक़ों पर वाहन की संख्या भी रोज बढ़ रही है. इसलिए भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार को इसी मार्ग पर अंडर पास और ओवर ब्रिज निर्माण करना चाहिए, इससे समस्याएं दूर और सफर आसान होगा.

- प्रकाश कुवाल

यह शहर का ऐसा मार्ग है, जो शहर के मध्य से गुजरता है और शहर को दो हिस्सों को जोड़ता है. इस पर तो मेट्रो ट्रेन संचालित करनी चाहिए. ऐसा करने से यह मार्ग आम लोगों के लिए ट्रांसपोर्ट का बड़ा आयाम रहेगा.

- नदीम खान